



बंगाल पर केंद्र सरकार का 1 लाख 96 हजार करोड़ रुपए से ज़्यादा बकाया है। इसके बावजूद, पिछले 15 सालों से यह सरकार जन्म से लेकर मृत्यु तक, हर क्षेत्र में, हर जाति, धर्म या रंग के भेदभाव के बिना, सभी लोगों के लिए काम करती रही है और करती रहेगी।

महिला सशक्तिकरण

- अभूतपूर्व लक्ष्मी भंडार योजना के तहत 2.21 करोड़ महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है। इस योजना के लिए वार्षिक बजट आवंटन 26,700 करोड़ रुपए रहा है और इसकी शुरुआत से अब तक इस क्षेत्र पर कुल खर्च 74,000 करोड़ रुपए से अधिक है।
- रूपश्री योजना के तहत 22.02 लाख महिलाओं को विवाह के लिए 25,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जिस पर 5,558.66 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं।
- बंगाल में पंचायत राज संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 14.6% बढ़ा है वर्ष 2008 के 36.8% से बढ़कर 2023 में 51.4% हो गया, जो राष्ट्रीय औसत 45.6% से अधिक है।
- महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने 2024 में 'अपराजिता विधेयक' लाया और 'रातिरेर साथी' पहल के तहत आपात सहायता की शुरुआत की। सार्वजनिक सुविधाओं और सुरक्षा सुधारों के लिए 157.34 करोड़ रुपए आवंटित किए गए।
- कर्माजलि परियोजना के माध्यम से, 2025 तक एकल कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित और किफायती किराए का आवास प्रदान करने के लिए पूरे राज्य में कुल 13 आवासीय परिसरों का निर्माण किया गया है। इस परियोजना का वार्षिक व्यय 1.24 करोड़ रुपए है।
- सबुजश्री योजना के तहत, नवजात शिशुओं की माताओं को 68 लाख पौधे दिए गए हैं। आनंदधारा के माध्यम से 1.21 करोड़ महिलाएं आजीविका के अवसरों से जुड़ी हैं और उन्हें बैंक से जुड़े ऋण में 1.48 लाख करोड़ रुपए की मदद मिली है, जिससे पूरे राज्य में महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और भी मजबूत हुई है।
- पूरे बंगाल में मुक्तिर आलो योजना के तहत सामाजिक रूप से वंचित और संकटग्रस्त महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इस परियोजना पर 2025 तक कुल 1.47 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

सामाजिक सुरक्षा

- पश्चिम बंगाल सरकार ने 2011 से अब तक 94 सामाजिक कल्याण योजनाएँ शुरू की हैं, ताकि राज्य के सभी निवासियों का समावेशी विकास सुनिश्चित हो सके।
- 9 करोड़ लोगों को खाद्यान्नासथी योजना के तहत पूरी तरह सब्सिडी वाला राशन दिया गया है, जिसकी लागत 1,09,468 करोड़ रुपए रही। इसके अलावा 7.5 करोड़ लाभार्थियों को दुआरे राशन के माध्यम से घर-घर राशन



पहुँचाया गया है, जिस पर 1,717 करोड़ रुपए व्यय हुआ है।

- ☑ 20.57 लाख विधवाएँ, 50.61 लाख वरिष्ठ नागरिक, 7.59 लाख दिव्यांगजन और 2.12 लाख अन्य लाभार्थी जय बंगला योजना के तहत मासिक पेंशन प्राप्त कर रहे हैं, जिस पर प्रति वर्ष 10,573.87 करोड़ रुपए व्यय होता है।
- ☑ बिना मूल्य सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत 1.84 करोड़ असंगठित श्रमिकों को व्यापक सामाजिक सुरक्षा प्रदान की गई है, जिसमें चिकित्सा, मृत्यु तथा अन्य कल्याणकारी लाभ शामिल हैं। इस पर 2,880 करोड़ रुपए व्यय किया गया है।
- ☑ कर्मसाथी (पारिजायी श्रमिक) योजना, जो 2023 में शुरू हुई, प्रवासी श्रमिकों की समस्याओं और शिकायतों के समाधान में सहायता करती है। वहीं श्रमश्री (2025) के तहत 31.77 लाख लौटे हुए श्रमिकों को रोजगार मिलने तक प्रति माह 5,000 रुपए की सहायता दी जा रही है। इन्हें जॉब कार्ड, कौशल प्रशिक्षण, खाद्यान्न तथा स्वास्थ्य सुविधाएँ भी मिलती हैं।
- ☑ केंद्र पत्तियाँ संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना के माध्यम से 35,000 लाभार्थियों, मुख्यतः जनजातीय समुदाय, को सहायता प्रदान की गई है। इस योजना के अंतर्गत 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर पंजीकृत संग्राहकों को एकमुश्त आर्थिक सहायता दी जाती है। इसके अतिरिक्त वे दुर्घटना जनित मृत्यु, मातृत्व लाभ, दिव्यांगता सहायता, स्वास्थ्य सहायता आदि के लिए भी दावा कर सकते हैं। संग्राहक की मृत्यु होने पर नामित व्यक्ति को मृत्यु सहायता तथा अंतिम संस्कार सहायता दोनों प्रदान की जाती हैं।

अनुसूचित जातियाँ, अनुसूचित जनजातियाँ और अन्य पिछड़े वर्गों का सशक्तिकरण

- ☑ वर्ष 2025 तक, जय जोहार और तपोसिली बंधु योजनाओं के तहत माँ-माटी-मानुष सरकार ने 9,108.45 करोड़ रुपए की पेंशन सहायता 14.64 लाख अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के वरिष्ठ नागरिकों को प्रदान की है।
- ☑ 1.69 करोड़ लोग, जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित हैं, उन्हें पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा जाति प्रमाणपत्र जारी किया गया है।
- ☑ राज्य सरकार ने सुनिश्चित किया है कि आदिवासी भूमि किसी भी प्रकार से स्थानांतरित न हो सके, जिससे आदिवासी समुदाय के पैतृक अधिकार सुरक्षित रहें। इसके साथ ही, आदिवासी परिवारों को वन पट्टा और सामुदायिक वन पट्टा प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे उनके कानूनी अधिकार और आजीविका और अधिक सुरक्षित हुई है।
- ☑ राजवंशी समुदाय की विरासत और भावनाओं के सम्मान में नारायणी बटालियन का गठन किया गया है, जिसका मुख्यालय मेखलिंगंज में स्थापित किया गया है।
- ☑ मतुआ समुदाय वाले क्षेत्रों में समग्र विकास हुआ है। हाबरा-गायघाटा जलतृप्ति जल परियोजना के कारण अब सभी घरों में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध है। इसके अलावा, नए पुलों का निर्माण किया गया है, मुरीघाटा पुल (इचामती नदी पर) और कुठिपाड़ा-नागबाड़ी पुल (बलदाघाटा नहर पर), जिससे संपर्क व्यवस्था और मजबूत हुई है। युवाओं के लिए नए अवसर बने हैं, और गायघाटा में एक नया औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) और पॉलिटेक्निक महाविद्यालय



खोला गया है। किसानों को अब एक समर्पित **किसान मंडी** का लाभ मिल रहा है। ठाकुरनगर में, जो इस क्षेत्र का **प्रसिद्ध पुष्प-केंद्र** है, एक विशेष फ्लॉवर मंडी का विकास किया जा रहा है, जिसके साथ शहर का सौंदर्यीकरण भी हो रहा है। इससे समुदाय का सांस्कृतिक गौरव और आर्थिक प्रगति दोनों बढ़ी है।

- ☑ अल्पसंख्यक कार्य विभाग का बजट लगभग दस गुना बढ़ाया गया है। सरकार ने **1,387 करोड़ रुपये** की राशि लगभग **9,900 कब्रिस्तानों** की सीमा दीवारों के निर्माण के लिए निर्धारित की है।

कृषि

- ☑ वर्ष 2011 से, कृषि तथा इससे जुड़े क्षेत्रों पर राज्य सरकार का व्यय **9.16 गुना** बढ़ा है, जो बंगाल के कृषक समुदाय को सशक्त बनाने और दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- ☑ वर्ष 2025 तक, **कृषक बंधु (नतुन)** योजना के तहत **27,016 करोड़ रुपये** की आर्थिक सहायता **1.10 करोड़ किसानों** को प्रदान की गई है।
- ☑ **बंगला शस्य बीमा** के माध्यम से **1.13 करोड़ किसानों** को फसल हानि से सुरक्षा मिली है। **3,938 करोड़ रुपये** के दावों का भुगतान किया गया है, वह भी शून्य प्रीमियम लागत पर (2025 तक)।
- ☑ पिछले 15 वर्षों में, राज्य के सिंचित क्षेत्रों में **25.67%** की वृद्धि हुई है। आज, पश्चिम बंगाल की कुल कृषि योग्य भूमि का **64.45%** भाग सिंचित है, जबकि राष्ट्रीय औसत **56.3%** है। बंगाल में देश में सबसे अधिक फसल उपज **194%** है (राष्ट्रीय औसत 143.6%)।
- ☑ कृषि के मामले में पश्चिम बंगाल भारत के सबसे मजबूत राज्यों में से एक है। बंगाल देश का **सबसे चावल उत्पादक राज्य** है (राष्ट्रीय उत्पादन में 12.87% का योगदान); बंगाल देश में सबसे अधिक जूट उत्पादक राज्य है, सर्वाधिक खेती क्षेत्र (491.1 हजार हेक्टेयर) और सर्वाधिक उत्पादन (2,883 कि.ग्रा./हेक्टेयर)। **सब्जी उत्पादन** में देश में दूसरे स्थान पर (29.19 मिलियन टन, 2023); और **मांस व मछली** दोनों में दूसरे स्थान पर। 2011 और 2022 के बीच मांस उत्पादन में 90.83% (2011 और 2023) और मछली उत्पादन में 38.93% की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, बंगाल **बागवानी में देश में तीसरे स्थान पर** (33.19 मिलियन टन, 2021) और **चाय उत्पादन में दूसरे स्थान पर** (373.48 मिलियन किलो ग्राम, 2024) है।
- ☑ हर वर्ष, लगभग **55 लाख मीट्रिक टन** धान सीधे **16 लाख** छोटे और सीमांत किसानों से खरीदा जाता है।
- ☑ कोल्ड स्टोरेज क्षमता के मामले में बंगाल पूरे भारत में पहले स्थान पर है **5.95 मिलियन मीट्रिक टन**, जो राष्ट्रीय औसत से 413% अधिक है। वर्ष 2023-24 में **अमार माटी, अमार गोला** योजना के तहत **3,905** कम-लागत भंडारण संरचनाएँ बनाई गईं, जिससे छोटे किसानों को अपने निजी भंडार गृह बनाने के लिए वित्तीय सहायता मिली। इसके साथ ही बिक्री के लिए वेंडिंग कार्ट भी उपलब्ध कराए गए, जिससे खेती से बाज़ार तक पहुँच आसान हुई है।
- ☑ **सुफल बंगला योजना** के अंतर्गत **640** आउटलेट और **9 थोक केंद्र** हर दिन **3.5 लाख उपभोक्ताओं** को सेवा देते हैं और **80,000** किसानों को जोड़ते हैं। वर्ष 2025-26 के लिए **200 करोड़ रुपये** का प्रावधान किया गया है, जिसके



तहत 350 नए आउटलेट और 200 खरीद केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

- 50 करोड़ के वार्षिक प्रावधान के साथ, मातृ सृष्टि योजना ने 42,000 एकड़ परती भूमि को उपजाऊ भूमि में बदला है। यह कार्य 5,455 स्थानों पर हुआ है, जिससे ग्रामीण परिवारों के लिए बागवानी, मत्स्य पालन और कृषि-आधारित गतिविधियों से नई आय का स्रोत तैयार हुआ है।

अर्थव्यवस्था और उद्योग

- पश्चिम बंगाल आज देश की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। बंगाल का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 4.41 गुना बढ़कर 20.31 लाख करोड़ रुपये हो गया है। वहीं प्रति व्यक्ति आय 51,543 रुपये (2011-12) से बढ़कर 1,63,467 रुपये (2024-25) हो गई है।
- निरंतर आर्थिक प्रगति और सामाजिक विकास के चलते, पश्चिम बंगाल ने 1.72 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, यह संख्या वर्ष 2021 तक दर्ज 92 लाख से लगभग दोगुनी है।
- पूंजीगत व्यय में 17.67 गुना वृद्धि के साथ उत्पादक अवसंरचना मजबूत हुई है। इसके अतिरिक्त, भौतिक क्षेत्र की अवसंरचना में 6.93 गुना वृद्धि हुई है, और सामाजिक क्षेत्र के व्यय में 14.46 गुना वृद्धि हुई है। साथ ही, राज्य की स्वयं के कर राजस्व से होने वाली आय में 2011 से 5.33 गुना वृद्धि हुई है।
- उद्योग और रोज़गार को बढ़ावा देने के लिए राज्य में 6 नए आर्थिक गलियारे स्थापित किए जा रहे हैं (रघुनाथपुर-ताजपुर, डंकुनी-कल्याणी, डंकुनी-झारग्राम, डंकुनी-कूचबिहार, खड़गपुर-मोरग्राम, पुरुलिया के गुरुडी से कोलकाता के जोका तक)। इसके पूरा होने पर, राज्य में 2 लाख करोड़ रुपये के निवेश की संभावना उत्पन्न होगी।
- पंजीकृत कंपनियों की संख्या के मामले में पश्चिम बंगाल देश के अग्रणी राज्यों में है। वर्ष 2011 से 2024 के बीच पंजीकृत कारोबारों के औसत लाभ में 546% की वृद्धि हुई है।
- पश्चिम बंगाल देश का एक प्रमुख विनिर्माण केंद्र बन चुका है। यहाँ देश का सबसे बड़ा चमड़ा परिसर, सबसे बड़ा परिधान समूह, सबसे बड़ा होज़री पार्क, सबसे बड़ा फाउंड्री पार्क, और एक बहुत बड़ा रेल निर्माण केंद्र स्थित है।
- राज्य में एक नया सेमी कंडक्टर हब बनाया जा रहा है। इसका निर्माण दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी चिप डेवलपर कंपनी ग्लोबलफाउंड्री इंक. द्वारा किया जा रहा है।
- दुर्गापुर-आसनसोल क्षेत्र में 22,000 करोड़ रुपये के निवेश से शेल गैस संयंत्र विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा, ओएनजीसी द्वारा अशोकनगर में नया तेल और प्राकृतिक गैस निष्कर्षण संयंत्र स्थापित किया जा रहा है।
- पश्चिम बंगाल में रियल एस्टेट क्षेत्र में भारी उछाल आया है, जिसमें केवल दो वर्षों (2023-25) में 45,000 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है।



रोज़गार

- जब पूरे देश में बेरोज़गारी दर 45 वर्षों में सबसे अधिक है, तब बंगाल ने बेरोज़गारी दर को 40% घटाया है, जिससे 2 करोड़ से अधिक रोज़गार के अवसर बने हैं।
- जब मनरेगा के लिए केंद्रीय निधि बंद हो गई, तो मां-माटी-मानुष सरकार ने कर्मश्री योजना शुरू की, जिससे 78.31 लाख से अधिक जॉब कार्ड धारकों के लिए 104.58 करोड़ मानव-दिवस का काम सृजित हुआ, जिस पर 20,776 करोड़ रुपए का व्यय हुआ।
- लगभग 1.3 करोड़ लोग राज्य के 93 लाख MSMEs (उद्यम और उद्यम असिस्ट पोर्टल में पंजीकृत 49 लाख) में कार्यरत हैं। महिलाओं के स्वामित्व वाली MSME में बंगाल पूरे देश में पहले स्थान पर है, भारत के कुल महिला MSME में 23.42% बंगाल में हैं। MSME को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा 9.35 हजार करोड़ रुपए के बैंक ऋण उपलब्ध कराए गए हैं।
- आनंदधारा पहल के माध्यम से बंगाल में 12 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) स्थापित किए गए हैं। हमने एसएचजी क्रेडिट लिंकेज को 1,48,000 करोड़ रुपए के ऋण वितरित करके समर्थन दिया है। लाखों स्थानीय कारीगरों, युवाओं और एसएचजी सदस्यों के लिए मजबूत बाजार पहुंच, आय सुरक्षा और स्वरोजगार के अवसर सुनिश्चित करने के लिए, शिल्पना, बिस्वा बांग्ला, रूपना, बांग्ला साड़ी, बिस्वा बांग्ला हाट, विभिन्न जिलों में ग्रामीण हाट जैसी पहलें और 514 कर्मतीर्थ पूरे किए जा चुके हैं। इसके अलावा, जिला मुख्यालयों में 23 मार्केटिंग हब (शॉपिंग मॉल) स्थापित किए जा रहे हैं, जहां दो मंजिलें एसएचजी को अपने उत्पादों के विपणन के लिए समर्पित होंगी।
- दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कोयला भंडार देओचा-पचामी में विकसित किया जा रहा है, जिससे 1 लाख रोज़गार बनेगा। इसके अलावा पुरलिया के रघुनाथपुर में 72,000 करोड़ रुपए का निवेश कर जंगलसुंदरी कर्मनगरी बनाया जा रहा है। अब तक 3,000 एकड़ से अधिक कंपनियों को भूमि आवंटित की गई है। 27,000 करोड़ रुपए के निवेश से 7.75 लाख नये रोज़गार बन रहे हैं, जबकि 35,000 करोड़ रुपए का कर्मदिगंता चमड़ा परिसर कोलकाता में स्थापित किया गया है। पश्चिम बंगाल में 2 लाख से अधिक आईटी पेशेवर कार्यरत हैं, और 2,800 आईटी कंपनियाँ सक्रिय हैं। राज्य के सिलिकॉन वैली में 35,000 करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है।
- भविष्यत क्रेडिट कार्ड योजना, इस योजना ने 48,000 से अधिक युवाओं को लाभ दिया है, जिन्हें 12,000 करोड़ रुपए का ऋण मिला है। साथ ही राज्य सरकार ने 3,900 करोड़ रुपए निवेश कर स्वरोजगार और अल्पसंख्यक युवाओं के उद्यम-विकास को बढ़ावा दिया है। उत्कर्ष बंगला योजना के तहत 42 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है।
- राज्य सरकार ने बीमार चाय बागानों को पुनर्जीवित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। अब तक 85 चाय बागान फिर से चालू किए गए हैं, जिससे 23,000 चाय मज़दूरों और परिवारों को लाभ मिला है। वर्ष 2025 में कुल 25 चाय बागानों को पुनर्जीवित किया गया। पश्चिम बंगाल में चाय मज़दूरों की दैनिक मज़दूरी बढ़ाकर ₹250 प्रति दिन कर दी गई है जो पूरे देश में सबसे अधिक है। हम बिजली, पानी, साफ़ शौचालय, एप्रन, छाता, जूते, कंबल और अन्य ज़रूरी चीजें भी दे रहे हैं ताकि मज़दूरों और परिवारों की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।
- अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को मजबूत करने के लिए, 27 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) और 5 पॉलिटेक्निक स्थापित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए 305 कर्मतीर्थों का निर्माण किया जा रहा है, साथ ही विभिन्न सरकारी नौकरी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अल्पसंख्यक छात्रों को कोचिंग सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, जिससे रोजगार तक उनकी पहुंच मजबूत हो सके।



बिजली, सड़कें और पानी

- ☑ माँ-माटी-मानुष सरकार के लगातार प्रयासों से पश्चिम बंगाल, जिसे कभी “लोड-शेडिंग वाला राज्य” कहा जाता था, अब एक बिजली-सरप्लस राज्य बन चुका है। वर्ष 2019 में राज्य में **100% विद्युतीकरण** पूरा हुआ और तब से हर घर को बिना बाधा बिजली मिल रही है, जिससे जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। राज्य सरकार ने इस क्षेत्र में अवसंरचना के विकास के लिए **90,000 करोड़ रुपये** का निवेश किया है।
- ☑ ऊर्जा अवसंरचना को मजबूत करने के लिए, सागरदिघी में बन रही **4,567 करोड़ रुपये की सुपरक्रिटिकल इकाई** (660 मेगावाट), जो पूरब भारत की पहली ऐसी इकाई होगी, **16.7 लाख परिवारों** को अबाध बिजली देगी और **26,000** प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोज़गार उत्पन्न करेगी। क्षमता बढ़ाने के लिए **1,600 मेगावाट ताप-विद्युत संयंत्र का शिलान्यास सल्बोनी** में किया गया है, जिसकी लागत **16,000 करोड़ रुपये** है और इससे **15,000** प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोज़गार बनने की उम्मीद है।
- ☑ 2024-25 के दौरान, डब्ल्यूपीडीसीएल ने दिसंबर 2024 तक **22,286 MU** का रिकॉर्ड सकल उत्पादन हासिल किया, जिसमें सागरदिघी राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे स्थान पर रहा और डब्ल्यूपीडीसीएल भारत की शीर्ष प्रदर्शन करने वाली बिजली कंपनी के रूप में उभरी। पहली बार, डब्ल्यूपीडीसीएल के संयंत्रों की कोयले की सभी आवश्यकताएं पूरी तरह से अपनी खदानों से पूरी की गईं, जिससे कोल इंडिया की सहायक कंपनियों पर निर्भरता समाप्त हो गई। इसी वर्ष, डब्ल्यूपीडीसीएल ने राज्य सरकार को **104 करोड़ रुपये** का लाभांश दिया और सागरदिघी में **40.96 करोड़ रुपये** के निवेश से **5 मेगावाट** का फ्लोटिंग सोलर प्लांट चालू किया।
- ☑ पूरब भारत का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र अब **गोलतोरे** (पश्चिम मेदिनीपुर) में कार्यरत है। इसकी क्षमता **112.5 मेगावाट** है और इसे **750 करोड़ रुपये** की लागत से बनाया गया है। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने आलो श्री योजना शुरू की है, जिसके तहत सभी सरकारी भवनों और स्थानीय निकायों में सौर फोटोवोल्टिक प्रणाली स्थापित की जा रही है, जो लागत प्रभावी रूप से ऐसी स्थापनाओं के लिए उपयुक्त है।
- ☑ वर्ष 2011 से अब तक राज्य में **1,83,084 किलोमीटर** राज्यमार्ग, ग्रामीण सड़कें और अन्य सड़कें बनाई या पुनर्निर्मित की गई हैं। इसके अलावा, **361 बड़े मध्यम पुल और 20 आरओबी (रोड ओवर ब्रिज)** **83,000 करोड़ रुपये** की लागत से पूरे राज्य में निर्मित किए गए हैं।
- ☑ **पथश्री-1, 2 और 3** परियोजनाओं के तहत **10,902 करोड़ रुपये** की लागत से **39,000 किलोमीटर** से अधिक सड़कों का निर्माण किया जा चुका है। केंद्र सरकार द्वारा पीएमजीएसवाई फंड रोक देने के बावजूद भी राज्य भर में कनेक्टिविटी बनाए रखने के लिए यह कार्य किया गया है। राज्य सरकार ने **पथश्री-4** परियोजना के तहत **8,488 करोड़ रुपये** की लागत से **20,030 किलोमीटर** और सड़कों का निर्माण शुरू किया है।
- ☑ पश्चिम बंगाल के **99 लाख ग्रामीण घरों** को वर्ष 2025 तक कार्यक्षम नल-जल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। वर्ष 2011 में यह संख्या **2 लाख** से भी कम थी अब सभी के लिए सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित किया गया है।
- ☑ **घाटाल मास्टर प्लान**, जिसे एफएमबीएपी के तहत प्रस्तुत किए जाने के बावजूद केंद्र सरकार ने लंबे समय तक रोक रखा था, उसे राज्य सरकार ने स्वयं पूरा करने की ज़िम्मेदारी ली है। अब तक **341 करोड़ रुपये** खर्च कर **115 किलोमीटर** नदी खोदाई का कार्य पूरा किया गया है। और पूरी परियोजना अगले दो वर्षों में **1,500 करोड़ रुपये** की लागत से राज्य सरकार द्वारा स्वयं पूरी की जाएगी।



आवास

- ☑ वर्ष 2011 से, पश्चिम बंगाल सरकार ने लगभग 1 करोड़ परिवारों को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराया है।
- ☑ जब तक केंद्र सरकार ने बिना कारण धन रोक नहीं दिया था, ग्रामीण आवास निर्माण में बंगाल पूरे देश में पहले स्थान पर था, और 47.5 लाख घर आवास योजना (ग्रामीण) के तहत बन चुके थे।
- ☑ बांगलार बाड़ी (ग्रामीण) यह पूरी तरह माँ-माटी-मानुष सरकार द्वारा वित्तपोषित है, जिसके तहत 12 लाख परिवारों को आवास दिया गया है, जिसकी लागत 14,400 करोड़ रुपये रही। इसके Phase-II में 16 लाख और परिवारों को लाभ देने की योजना है, जिस पर 19,700 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।
- ☑ शहर के बेघर लोगों के लिए लगभग 18,000 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 5.20 लाख आवास इकाइयों का निर्माण किया गया है। अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए 2,500 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 2.60 लाख घर बनाए गए हैं। इसके अलावा, रानीगंज कोयला क्षेत्र के लोगों के लिए 10,000 से ज्यादा घरों का निर्माण किया जा रहा है।
- ☑ पश्चिम बंगाल सरकार ने चा सुंदरी और चा सुंदरी विस्तार योजनाओं के 28,500 से ज्यादा चाय बागान मजदूरों को आवास प्रदान किया है। इसके अलावा, गीतांजलि योजना के तहत 3,500 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से लगभग 3.84 लाख घर उपलब्ध कराए गए हैं।
- ☑ राज्य सरकार ने उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदाओं की पूर्णता: या आंशिक रूप से प्रभावित 14,794 परिवारों के लिए राज्य सरकार ने 161.33 करोड़ रुपये की आवास सहायता स्वीकृत की है, ताकि उनका समुचित पुनर्वास हो सके।



स्वास्थ्य सेवाएँ

- ☑ 2011 से सार्वजनिक स्वास्थ्य पर सरकारी व्यय में 6 गुना वृद्धि हुई है, जो सभी के लिए एक मजबूत और सुदृढ़ स्वास्थ्य प्रणाली बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- ☑ स्वास्थ्य साथी योजना के तहत 2.45 करोड़ परिवारों के 8.72 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिला है। इस योजना के तहत अक्टूबर 2025 तक कुल 13,156 करोड़ रुपये मरीजों को सेवाएँ प्रदान की जा चुकी हैं। इसके अलावा, अत्याधुनिक टेलीमेडिसिन सेवाओं के माध्यम से 11,000 से अधिक स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों और प्रमुख अस्पतालों के 63 केंद्रों पर 7 करोड़ से अधिक परामर्श प्रदान किए गए हैं।
- ☑ सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना है। हमने स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने के लिए लगभग 70,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। 14 नए सरकारी मेडिकल कॉलेज, 42 सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल, 13,500 से अधिक सुस्वास्थ्य केंद्र, 76 सीसीयू, 3 एचडीयू, 17 मातृ एवं शिशु केंद्र, 13 मातृ प्रतीक्षा कक्ष, 117 उचित मूल्य की दवा दुकानें और 158 निःशुल्क निदान केंद्र स्थापित किए गए हैं।
- ☑ 2011 में हमारे राज्य में सरकारी अस्पतालों के बिस्तरों की संख्या 71,200 थी, जो 2022 में बढ़कर 97,000 हो गई। यानी सरकारी अस्पतालों में बिस्तरों में लगभग 36.25% की वृद्धि हुई है।



- ☞ राज्य सरकार ने **स्वास्थ्य बंधु** योजना शुरू की है, जिसके तहत **110 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स** (एमएमयूएस) सक्रिय हो रही हैं और जल्द ही **100 और यूनिट्स** चालू हो जाएंगी। डॉक्टरों, नर्सों और तकनीशियनों से सुसज्जित इनका उद्देश्य ग्रामीण एवं असंपन्न मोबाइल स्वास्थ्य क्लिनिक हैं, जो राज्य भर में दूरस्थ क्षेत्रों में लोगों को प्राथमिक जांच, परामर्श और अन्य चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान करने में सक्षम हैं। योजना शुरू होने के महज 20 दिनों के भीतर ही प्रशिक्षित होने वाले लोगों की संख्या **1 लाख** से अधिक हो गई है।
- ☞ **शिशु साथी** योजना के तहत लगभग **64,000 बच्चों** को जीवन रक्षक सर्जरी में मदद की गई है, जिसके लिए राज्य सरकार ने **307 करोड़ रुपये** खर्च किए हैं।
- ☞ '**चोखेर आलो**' परियोजना के तहत **26 लाख लोगों** के मोतियाबिंद के मुफ्त ऑपरेशन और **34 लाख लोगों** को मुफ्त चश्मे मिले हैं। राज्य सरकार ने इस पहल पर **181 करोड़ रुपये** खर्च किए हैं।
- ☞ MBBS सीटों की संख्या **1,355** से बढ़कर **6,349** हो गई है। लगभग **14000** डॉक्टरों की भर्ती की गई है। नर्सिंग प्रशिक्षण संस्थानों की संख्या **57** से बढ़कर **451** हो गई है। प्रशिक्षित नर्सों की संख्या **2,265** से बढ़कर **28,547** हो गई है। राज्य भर में अस्पतालों में स्वीकृत कुल नर्सिंग स्टाफ **33,831** से बढ़कर **59,113** हो गया है।

शिक्षा

- ☞ **कन्याश्री** योजना के तहत लगभग **1 करोड़ लड़कियों** को शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, जिस पर **16,554 करोड़ रुपये** खर्च हुए हैं।
- ☞ **सबुज साथी** योजना के तहत **1.44 करोड़** से अधिक विद्यार्थियों को साइकिलें प्रदान की गई हैं, जिस पर **4,903 करोड़ रुपये** की लागत आई है।
- ☞ **ऐक्यश्री और अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति** योजनाओं के तहत **4.56 करोड़ छात्रवृत्तियाँ** प्रदान की गई हैं और इस क्षेत्र में **9,747 करोड़ रुपये** खर्च किए गए हैं। **शिशुश्री** योजना के तहत **1 करोड़ 46 लाख 74 हजार 38** अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों को लगभग **1,173.95 करोड़ रुपये** प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा, **मेधाश्री** योजना के तहत **8 लाख 86 हजार 492** विद्यार्थियों को **70.92 करोड़ रुपये** प्रदान किए गए हैं।
- ☞ वर्ष 2023 से प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर एक भी बच्चा बुनियादी शिक्षा से वंचित नहीं रहा है, क्योंकि राज्य में **0 ड्रॉपआउट** दर्ज हुआ है।
- ☞ **तरुणेश्वर स्वप्न** योजना के तहत टैबलेट और स्मार्टफोन उपलब्ध कराकर डिजिटल शिक्षा को मजबूत किया गया है। राज्य ने ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के **53 लाख छात्रों** पर **5,300 करोड़ रुपये** खर्च किए हैं। इसके अलावा, राज्य सरकार के **10,350 करोड़ रुपये** के व्यय से **18 करोड़ छात्रों** को मुफ्त किताबें, स्कूल यूनिफॉर्म, बैग और जूते उपलब्ध कराए गए हैं।
- ☞ **स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड** योजना के तहत **1 लाख से अधिक विद्यार्थियों** को ऋण दिया गया है, जिनका कुल मूल्य **3,807 करोड़ रुपये** है, और ब्याज दर नाममात्र है जहाँ राज्य सरकार गारंटर है।
- ☞ राज्य भर में शिक्षण बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए **69,000 करोड़ रुपये** से अधिक का निवेश किया गया है। 2011 से अब तक **42 नए विश्वविद्यालयों और 500 कॉलेजों** स्थापित किए गए हैं। इन दोनों ही क्षेत्रों में,



पश्चिम बंगाल राष्ट्रीय औसत (16.43 विश्वविद्यालय) और (262.65 कॉलेजों) से काफी आगे है।

- ☑ **स्वामी विवेकानंद मेधावी-सह-आर्थिक सहायता छात्रवृत्ति** से अब तक 36.55 लाख विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं, जिन पर कुल 6,356 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।
- ☑ मनुआ समुदाय के लिए एक समर्थक उच्च शिक्षा हब बनाने के लिए, हमने ठाकुरनगर (ठाकुरबाड़ी के पास) में **हरिचंद गुरचंद विश्वविद्यालय** की स्थापना की है। कृष्णनगर के बड़े विस्तार परिसरों भी विकसित किया जा रहा है। उच्च शिक्षा की पहुंच बढ़ाने के लिए गयाघाटा में **पी.आर. ठाकुर राजकीय महाविद्यालय** की स्थापना की गई है।
- ☑ लगभग 200 राजवंशी स्कूलों को सरकारी मंजूरी मिल गई है, जिससे समुदाय को मातृभाषा में शिक्षा के अवसर और मज़बूत होंगे। इसके अलावा, बागड़ी समुदाय की ओर बढ़ावा देने के लिए साधरी भाषा में पढ़ने के लिए 100 स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं।
- ☑ राज्य की शिक्षा ऋण योजना से लगभग 40,000 अल्पसंख्यक छात्र लाभान्वित हुए हैं। राज्य सरकार ने इस क्षेत्र के लिए 327 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसके अलावा, कई धार्मिक गैर-सहायता प्राप्त संस्थानों के रूप में मान्यता दी गई है। साथ ही, शिक्षा और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को मानदंड प्राप्त करने के लिए पूरी तरह से राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित पहल शुरू की गई है।

प्रशासन

- ☑ वर्ष 2011 से, बेहतर सेवा-प्रदान सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने 4 नए प्रशासनिक जिले (कालिम्पोंग, अलीपुरद्वार, झारग्राम और पश्चिम बर्धमान), 4 नए उप-विभाग (झालदा, मानबाजार, मिरिक और धूपगुड़ी) तथा 4 प्रशासनिक खंड (कल्याणी, लावा, पेडोंग और क्रांति) बनाए हैं। **फरक्का उप-विभाग** भी जल्द संचालित किया जाएगा। नियोजित शहरी विकास हेतु, 11 विकास प्राधिकरण और 2 योजना प्राधिकरण भी गठित किए गए हैं।
- ☑ 10.43 करोड़ सार्वजनिक सेवाएँ लोगों के घर-द्वार पर 8.07 लाख दुआरे सरकार शिविरों के माध्यम से पहुँचाई गई हैं। इसके अतिरिक्त 15.86 करोड़ सेवाएँ 3,500+ बंगला सहायता केंद्रों द्वारा उपलब्ध कराई गई हैं।
- ☑ भारत में पहली बार, ऐतिहासिक पहल **आमादेर पारा आमादेर समाधान** के अंतर्गत पश्चिम बंगाल के 80,000 बूथों के लोगों ने लोकतांत्रिक तरीके से स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु 8,000 करोड़ रुपये (10 लाख रुपये प्रति बूथ) के उपयोग का निर्णय लिया।
- ☑ पश्चिम बंगाल सरकार ने तकनीक-सक्षम शिकायत निवारण प्रणाली के माध्यम से नागरिक-केन्द्रित शासन को मज़बूत किया है। **सोरसोरी मुख्यमंत्री** के अंतर्गत लोगों को सीधा मंच मिला है जहाँ वे अपनी समस्याएँ माननीय मुख्यमंत्री तक पहुँचा सकते हैं और शीघ्र समाधान पा सकते हैं। 54 विभागों और 5,818 कार्यालयों के कुल 60,14,644 शिकायते दर्ज की गई, जिनमें से 54,17,898 का निपटारा किया जा चुका है जो 90% से अधिक की सफलता दर दर्शाता है।



कानून एवं व्यवस्था

- कोलकाता को लगातार भारत के सबसे सुरक्षित शहर का दर्जा दिया गया है। 83.9 के सूचकांक के साथ, कोलकाता ने भारत के सभी महानगरीय शहरों में सबसे कम अपराध दर है, जो राष्ट्रीय औसत 828 से काफी कम है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में अनुसूचित जाति समुदाय के खिलाफ अपराध दर सबसे कम है, जो 2011 में 2.8 प्रति लाख से घटकर 2023 में केवल 0.1 प्रति लाख रह गई है, जो लगभग 30 गुना की कमी है।
- राज्य की कानून-व्यवस्था की दक्षता के कारण, चार्जशीट दाखिल दर 88.9% है, जबकि राष्ट्रीय औसत 80.1% है। कोलकाता की चार्जशीट दर 94.7% है, जो देश में सबसे अधिक है।
- हम प्रशासनिक विकास, अवसंरचना विकास और प्रौद्योगिकी-आधारित सुधारों के माध्यम से पुलिस व्यवस्था और जन सुरक्षा को निरंतर सुदृढ़ बना रहे हैं। पिछले 15 वर्षों में, हमारे शासन के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में सुरक्षा और सेवा-सुविधाओं को गुणवत्ता बढ़ाने के लिए 1 पुलिस निदेशालय, 6 पुलिस आयुक्तालय, 14 पुलिस उप-निदेशक 2 नई इकाइयाँ, 4 नए विभाग, 10 बटालियन, 49 महिला पुलिस थाने, 8 तृतीय पुलिस थाने, 30 साइबर पुलिस थाने और 106 नए पुलिस थाने स्थापित किए गए हैं।
- सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सीसीटीवी कैमरे, आरएलवीडी सिस्टम, एएनपीआर कैमरे और संबंधित तकनीकों सहित सड़क सुरक्षा के कई उपाय अपनाए गए हैं। जिम्मेदार ड्राइविंग और सामाजिक सतर्कता को बढ़ावा देने के लिए 'सुरक्षित ड्राइव, जीवन बचाओ' पहल के तहत नियमित रूप से जन जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।
- तेज़ और अधिक वैज्ञानिक जांच सुनिश्चित करने के लिए फॉरेंसिक क्षमताओं को भी बढ़ाया गया है। कोलकाता स्थित फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) में, नारकोटिक्स अनुभाग के लिए 1.10 करोड़ रुपये की लागत से जीसीएमएस उपकरण की खरीद सहित, प्रमुख तकनीकी उन्नयन कार्य चल रहा है। वर्ष 2000 से लेकर अब तक के ऐतिहासिक अभिलेखों को सुगमता और दक्षता में सुधार के लिए डिजिटाइज़ किया गया है, और जलपाईगुड़ी स्थित आरएफएसएल में एक नई सीरोलॉजी इकाई खोली गई है।



युवा और खेल

- पिछले 15 वर्षों में युवा विकास और खेल विभाग का बजट सात गुना बढ़ा है, जो बंगाल में युवा और खेल विकास पर लगातार और रणनीतिक ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है।
- 2011 से अब तक कुल 8 विशेषीकृत खेल अकादमियां स्थापित की जा चुकी हैं। 74 स्टेडियमों का निर्माण या नवीनीकरण किया गया है (जिनमें से 19 नए हैं और 55 पुनर्निर्मित हैं), साथ ही 4,112 मल्टी-जिम, 795 मिनी इंडोर कोर्ट परिसर और 423 अन्य जिम भी हैं। खिलाड़ियों की स्वास्थ्य जांच और चोटों की निगरानी के लिए एसएसकेएम अस्पताल में एक विशेष खेल चिकित्सा केंद्र स्थापित किया गया है।
- कुल 44 युवा छात्रावासों का निर्माण या उन्नयन किया गया है, साथ ही ऑनलाइन आरक्षण प्रणाली भी शुरू की गई है।



इसके अतिरिक्त, 912 युवा कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र और 12 युवा व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए गए हैं।

- ☑ खेलश्री योजना के तहत, 38,425 क्लबों को पहले वर्ष में 2 लाख रुपए और अगले तीन वर्षों तक प्रति वर्ष 1 लाख रुपए का अनुदान दिया गया है। इसके अलावा, एथलेटिक्स बोर्ड्स (एआईबी) में पंजीकृत 34 राज्य स्तरीय संघों को 5-5 लाख रुपए और 1,321 कोचिंग शिविर को 1-1 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी गई है। इसके अलावा, 2023 से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व करने वाले 1,580 सेवानिवृत्त खिलाड़ी के लिए 1,000 रुपए का मासिक भत्ता शुरू किया गया है।
- ☑ ईस्ट बंगाल एफसी, मोहन बागान एफसी और मोमडन एससी के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 27 करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रदान की गई है। इन्हें बंग बिमा बिभूषण पुरस्कार से भी सम्मनित किया गया है।

पर्यावरण

- ☑ पिछले 15 वर्षों में, पश्चिम बंगाल का वन क्षेत्र 2,688 वर्ग किलोमीटर (18.91%) बढ़कर 14,214 वर्ग किलोमीटर से 16,902 वर्ग किलोमीटर हो गया है; राज्य विकास योजना (राज्य योजना) के तहत 1.4 लाख हेक्टेयर भूमि पर वनीकरण किया गया है। इस विश्वास पर आधारित कि प्रकृति जलवायु परिवर्तन के खिलाफ रक्षा की पहली पंक्ति है, राज्य ने दक्षिण 24 परगना और पूर्वी मेदिनीपुर के तटीय क्षेत्रों में 15 करोड़ से अधिक मैंग्रोव वृक्षारोपण भी स्थापित किए हैं।
- ☑ जल धरो जल भरो योजना के अंतर्गत, वर्ष 2025 तक पूरे पश्चिम बंगाल में 4,15,384 जलाशयों, जल संरक्षण संरचनाओं और वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण या नवीनीकरण किया गया है। इससे सिंचाई व्यवस्था, भूजल पुनर्भरण और ग्रामीण क्षेत्रों में जल सुरक्षा को मजबूती मिली है।



पर्यटन

- ☑ भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी पर्यटन डेटा अनुसार 2025 के अंत तक अनुमान, विदेशी पर्यटकों के आगमन में पश्चिम बंगाल देश में दूसरे स्थान पर है। अक्टूबर 2025 तक, राज्य ने 24.24 करोड़ रुपए की विदेशी पर्यटकों का स्वागत किया।
- ☑ कोलकाता को पर्यटन के लिए और अधिक आकर्षक बनाने के लिए, न्यूटाउन में एक इको-पार्क (प्रकृति तीर्थ) विकसित किया गया है, जिसमें 112 एकड़ का एक सुंदर जल निकाय तथा 480 एकड़ भूमि शामिल है।
- ☑ रविंद्र तीर्थ, नज्जुल तीर्थ, मदर'स वैक्स म्यूज़ियम और कोलकाता गेट जैसे पर्यटन और सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का निर्माण किया गया है। बैरकपुर में, वीर शहीद मंगल पांडे की स्मृति में 'उत्सोधारा' पर्यटन परियोजना पर काम शुरू हो गया है।
- ☑ बिस्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर, धोनो धान्यो ऑडिटोरियम, फिनटेक हब, अलीपुर संग्रहालय, संपन्ना, सौजन्या और उत्तिर्ना ओपन-एयर स्टेज जैसी विश्व स्तरीय सुविधाएं आगंतुकों और स्थानीय लोगों का समान रूप से स्वागत करती हैं।



दीघा में एक कन्वेंशन सेंटर का निर्माण हो चुका है, और एक अन्य कन्वेंशन सेंटर सिलीगुड़ी में निर्माणाधीन है ॥

- ☞ **चाय पर्यटन** के विकास ने स्थानीय निवासियों के लिए रोजगार के नए अवसर सुनिश्चित किए हैं, जिससे उन्हें आय के स्रोतों में विविधता लाने में मदद मिली है और इस प्रकार क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला है ॥

संस्कृति

- ☞ **लोक प्रचार योजना** 1.92 लाख लोक कलाकारों को सहायता प्रदान कर रही है, जिसमें 1.5 लाख अन्य कलाकारों और 42,000 पेंशनभोगी शामिल हैं। उन्हें प्रति माह 1,000 रुपये का अनुदान/शुल्क/पेंशन दिया जाता है। इसके अतिरिक्त, वे सभी सरकारी कार्यों में संलग्न हैं और उनके योगदान के लिए उन्हें पर्याप्त पारिश्रमिक दिया जाता है, जिससे कला रूपों का संरक्षण और लोक कलाकारों के लिए स्थिर आय सुनिश्चित होती है।
- ☞ **बंगाल की दुर्गा पूजा** (जिससे प्रतिवर्ष 70,000 करोड़ रुपये की आय होती है), जिसे यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता प्राप्त है, और दीघा में स्थित 250 करोड़ रुपये की लागत वाला जगन्नाथ मंदिर, हमारे राज्य के सांस्कृतिक गौरव के सशक्त प्रतीक हैं। इसके अतिरिक्त, गंगासागर तीर्थयात्रियों के लिए 1,700 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित गंगा सागर सेतु, सिलीगुड़ी के पास मतिगारा में 17 एकड़ में फैला महाकाल मंदिर और सांस्कृतिक परिसर, और न्यू टाउन में 15 एकड़ में फैला 'दुर्गा आंगन' जैसी आगामी परियोजनाएं हमारे राज्य के आध्यात्मिक ताने-बाने को और भी गहरा करेंगी।
- ☞ **हिंदी, उर्दू, तेलुगु, उड़िया, नेपाली, पंजाबी, संथाली, कुरुख, कुरमाली, राजबंशी और कामतापुरी** को आधिकारिक भाषाओं का दर्जा दिया गया है, जो राज्य की प्रतिबद्धता, भाषाई समावेशन और प्रतिनिधित्व को दर्शाता है। इन समुदायों को और समर्थन देने के लिए, राजबंशी विकास बोर्ड, नश्या शेख विकास बोर्ड, राजबंशी भाषा अकादमी, कामतापुरी भाषा अकादमी और राजबंशी सांस्कृतिक अकादमी की स्थापना की गई है।
- ☞ **सरना/सारी धर्म को मान्यता देने के लिए** 2023 में विधानसभा में एक विधेयक पारित किया गया और इस मामले को आधिकारिक तौर पर केंद्र सरकार को भेजा गया।
- ☞ **नवद्वीप और कूचबिहार** को विरासत शहरों के रूप में विकसित किया जा रहा है। तारकेश्वर, तारापीठ, बकरेश्वर और पाथरचापुरी के लिए विकास बोर्ड का गठन किया गया है।



पवित्र जड़ें, एक नवीकृत बंगाल



हमारी सरकार ने बंगाल भर में सभी धर्मों के तीर्थ स्थलों के विकास के लिए विशेष पहल की है। इसके लिए कई हजार करोड़ रुपये तक खर्च किए गए हैं।

हमने दक्षिणेश्वर में रानी रश्मोनी स्काईवॉक, कालीघाट स्काईवॉक और जलपेश मंदिर में स्काईवॉक का उद्घाटन किया है। तारकेश्वर मंदिर, तारापीठ जैसे अनगिनत छोटे-बड़े मंदिरों का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण किया गया है। कंकालीतला मंदिर, फुलारा मंदिर, कपिल मुनि मंदिर, महेश जगन्नाथ मंदिर, राधाबल्लव मंदिर, कनक दुर्गा मंदिर झारग्राम में कूच बिहार में मदन मोहन मंदिर, बनेश्वर मंदिर, शिवयज्ञ मंदिर, देवी चौधुरानी मंदिर, भबानी पाठक का मंदिर, भ्रामरी देवी का मंदिर, गर्तेश्वरी और गर्भेश्वरी मंदिर, जटिलेश्वर मंदिर, राजबाड़ी शिवमंदिर, और मनसा मंदिर।



राज्य सरकार ने बंगाल की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। कछुआ और चकला में बाबा लोकेनाथ का धाम, श्री श्री ठाकुर अनुकूल चंद्र का आश्रम और मां शारदा देवी का पवित्र निवास स्थान का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण किया गया है। इसके अतिरिक्त, बोनहुगली स्थित ओंकारनाथ मिशन के सामने वाली सड़क का नाम बदलकर ओंकारनाथ सरानी कर दिया गया है। बाबा ओंकारनाथ को समर्पित एक तोरण भी बनाया गया है।

स्वामी विवेकानंद का पैतृक घर, साथ ही सिस्टर निवेदिता से जुड़े दोनों आवास, संरक्षण और जनहित के लिए रामकृष्ण मिशन और रामकृष्ण शारदा मिशन को सौंप दिए गए हैं। स्वामीजी के घर स्थित संग्रहालय के रखरखाव और गतिविधियों के लिए राज्य सरकार द्वारा वार्षिक अनुदान दिया जाता है। इसके अतिरिक्त, स्वामी विवेकानंद के आदर्शों और दर्शन से प्रेरित एक शैक्षिक और सांस्कृतिक केंद्र, “विवेक तीर्थ”, न्यू टाउन में विकसित किया जा रहा है। हमने इसके लिए भूमि उपलब्ध कराई है और रामकृष्ण शारदा मिशन के साथ निर्माण लागत का एक हिस्सा भी वहन किया है।



साथ ही, फुरफुरा शरीफ के विकास हेतु अनेक कार्य किए गए हैं। गाज़ी ज़फ़र ख़ान दरगाह का सौंदर्यीकरण पूरा किया गया है।

क्रिसमस बंगाल भर में उल्लासपूर्वक मनाया जाता है —विशेष रूप से कोलकाता के पार्क स्ट्रीट में।



राज्य में आदिवासी विरासत को सम्मानित करने वाले प्रमुख आयोजनों का आयोजन किया जाता है, जिनमें बिरसा मुंडा की जयंती, कर्म पूजा, अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस, हुल दिवस, जंगलमहल उत्सव, आदिवासी उत्सव और जॉय जोहर आदिवासी मेला शामिल हैं। हमने जोहर थान और मांडी थान के जीर्णोद्धार के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की है।

बाबरहाट में महावीर चिला रॉय की 15 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा स्थापित की गई है, जो राजवंशी समुदाय के इतिहास को एक महत्वपूर्ण श्रद्धांजलि है और क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करती है।



